

# समय के अंधेरों में झांकती अर्पिता की कला : वाजपेयी

SPYLAN  
नेशनल दुनिया

नई दिल्ली। अर्पिता सिंह की कला जीवन का उत्सव है, लेकिन वह अपने समय के पीछे जाकर हमारे समय के अंधकार में डूबे हिस्सों को भी दिखाती हैं। कला में अंधेरे हिस्सों को सामने लाना एक अहम एवं बड़ी बात है।

उक्त विचार प्रख्यात कवि, आलोचक और ललित कला अकादेमी के पूर्व अध्यक्ष अशोक वाजपेयी ने प्रख्यात कलाकार अर्पिता सिंह को अकादमी की रत्न सदस्यता प्राप्त करने के अवसर पर कहे। उन्होंने आगे कहा कि उनका सम्मान खुद अकादमी का अपने को सम्मानित करना है। वह अपने समय की अमूल्य और सच्ची कलाकार है। सिंह को ललित कला अकादमी की रत्न

## कला की कद्र

- ताम्र फलक के साथ प्रदान की गई दो लाख रुपए की राशि
- 24 तक जारी रहेगी अर्पिता की कला प्रदर्शनी

सदस्यता प्रदान करते हुए एक ताम्र फलक के साथ उन्हें 2 लाख रुपए की राशि अकादमी के अध्यक्ष डॉ. कल्याण कुमार चक्रवर्ती द्वारा प्रदान की गई।

इस अवसर पर डॉ. चक्रवर्ती ने उनकी कला-शैली की समीक्षा करते हुए कहा कि यह बेहद हर्ष का विषय है कि हम पहली बार किसी कलाकार को रत्न सदस्यता देने के साथ-साथ उनकी कृतियों की एक सिंहावलोकन प्रदर्शनी भी लगा रहे



रत्न सदस्यता ग्रहण करती कलाकार अर्पिता सिंह।

नेशनल दुनिया

हैं। इस अवसर पर अकादमी द्वारा प्रकाशित अर्पिता सिंह की कृतियों पर आधारित एक चित्रावली और प्रदर्शनी के कैटलॉग का भी विमोचन

किया गया। प्रख्यात कलाकार और अकादमी के रत्न सदस्य ए. रामचन्द्रन ने कहा कि भले ही अर्पिता सिंह को यह रत्न सदस्यता देर से

मिल रही हो, लेकिन वह इसकी निर्विवाद पात्र थीं।

उनके चित्रों की बात करते हुए उन्होंने कहा कि वह अपने चित्रों में बार-बार बचपन में लौटती हैं और यह बचपन देखते-देखते एक कथा में बदल जाता है।

प्रख्यात कवि और कला आलोचक प्रयाग शुक्ल ने अर्पिता सिंह और उनके चित्रकार पति परमजीत सिंह के साथ अपनी पुरानी मैत्री को याद करते हुए कहा कि उनके लिए पुरस्कार और मान-सम्मान से ज्यादा महत्वपूर्ण उनकी अपनी कला यात्रा रही है।

अर्पिता सिंह की कला प्रदर्शनी की संयोजक इला दत्त ने इस प्रदर्शनी को सफल बनाने के लिए सभी का धन्यवाद दिया। प्रदर्शनी 24 अक्टूबर तक जारी रहेगी।